भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1088
(13 दिसम्बर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ग्राम परिवहन योजना

1088. श्री देवजी एम. पटेल:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या सरकार का ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं को सुचारू बनाने के लिए 'ग्राम परिवहन योजना' शुरू करने का विचार है यदि हा, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या राजस्थान में उक्त योजना के कार्यान्वयन हेतु क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है;
(ग) यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्धारित की गई है; और
(घ) उक्त योजना को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(साध्वी निरंजन ज्योति)

(क) जी नहीं। इस मंत्रालय के अंतर्गत ग्राम परिवहन परियोजना नामक ऐसी कोई भी योजना शुरू करने का प्रस्ताव नहीं है। तथापि , इस मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाएं प्रदान करने और डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत स्व-सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों को आजीविका अवसर प्रदान करने के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) की उप-योजना स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) के घटक के रूप में आजीविका ग्रामीण ऐक्सप्रैस योजना (एजीईवाई) का कार्यान्वयन कर रहा है।

एजीईवाई के निम्नलिखित दो उद्देश्य हैं:-

i. डीएवाई-एनआरएलएम फ्रेमवर्क के अंतर्गत उपलब्ध सहायता का उपयोग करते हुए क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास के लिए मुख्य सेवाओं और सुविधाओं (बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंच सहित) से दूरस्थ गांवों को जोड़ने के लिए सुरक्षित, किफायती और समुदाय निगरानीकृत ग्रामीण परिवहन सेवाएं प्रदान करना।
ii. राज्यों द्वारा निर्धारित पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जन परिवहन सेवाएं शुरू करने के लिए सहायता प्रदान करके डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों और उनके परिवारों को आजीविका के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना।

वर्तमान में एजीईवाई 26 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है और इस योजना के अंतर्गत 30 नम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार 2165 वाहन संचालित किए जा रहे हैं।

ख. प्रश्न नहीं उठता। तथापि , राजस्थान राज्य में एजीईवाई के अंतर्गत 9 ब्लॉकों में 21 वाहन संचालित किए जा रहे हैं।

ग. प्रश्न नहीं उठता।

घ. प्रश्न नहीं उठता।

*****